नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिए, बिबिए
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ०३ वि.सं. २०८२ सावन ०३ गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४८) [Saturday 19 Juny 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

२५औं कमैया मुक्ती दिवस मनागैल

प्रदेश सरकार मुक्तकमैया, हलिया, कमलरी पुनर्स्थापना कार्यविधि कार्यान्वयन कैना प्रतिवद्ध बा: मुख्यमन्त्री शाह

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । कैलालीके धनगढी ओ लम्की चुहानगरपालिकामे शुकके रोज २५औं कमैया मुक्ती दिवस मनौगल बा ।

मुक्तकमैया महिला विकास मञ्चके आयोजनामे धनगढीमे मनागिल दिवसमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह वरका पहुना रहल रहिट । कार्यक्रममे सम्बोधन कैटि उहाँ सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार मुक्तकमैया, हलिया, कमलरी पुनर्स्थापनाके लाग कार्यविधि २०८० बनाइल ओ उ कार्यविधि कार्यान्वयनके लाग प्रदेश सरकार प्रतिवद्ध रहल बटैलै ।

उहाँ कहलै, 'यी कार्यविधि प्रदेश सरकार पूर्ण रुपमे कार्यान्वयन कैना प्रतिवद्ध बा, मै अपनेन ठेन विश्वास डेहुवइना चाहटु । कार्यविधि कार्यान्वयन कैना टमान मेरके कार्यक्रमफे आघे बह्रल बा ।'

मुक्तकमैया, हलिया, कमलरीहे पुनर्स्थापित कैनाके साथसाथे ओइनहे आयआर्जन, रोजगारीसे जोरना सन्दर्भमे शिक्षा ओ स्वास्थ्य सेवा निशुल्क उपलब्ध करैना सन्दर्भमे छात्रवृति डेना सन्दर्भमेफे हमार कार्यक्रम आघे बह्रल बा, मुख्यमन्त्री शाह कहलै ।

विशेष करके मै कना चाहटु थारु समुदायमे रहल संस्कार संस्कृति रिति रिवाज ओ हमार टमान मेरिक विचारहे जगेंना कैना प्रदेश सरकार आघे बह्रल बा ।

यिहे सन्दर्भमे हम्रे यी समुदायमे रहल बडघर भल्मन्सा प्रथाहे कानूनी मान्यता डेहुवाइक लाग विधेयकके ड्राफ्ट मन्त्री परिषदसे पास कैके सदनमे पुगाइल मुख्यमन्त्री शाह बटैलै । हम्रहिनहे विश्वास बा । जौन ऐन सदनमे पास हुई, हम्रे विश्वास डेहुवइले बटी ।

मुलुकमे डेखल विभेद अन्त्य करेक लाग आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रुपान्तरणके लाग हमार अग्र अधिकार स्थापित करेक लाग हम्रे निरन्तर यहाँके शासकहुकनसंग लरल इतिहास जगजाहेर बा । यकरे परिणाम हो । २०४६ सालके जनआन्दोलनसे यी मुलुकमे प्रजातन्त्र स्थापना करल । प्रजातन्त्र स्थापना हुकेसेकलपाछे विभेद अन्त्यके नीति निर्माण कैना सन्दर्भमे आघे बह्रल । संगसंगे संघथासंस्था अपन कार्यक्रम आघे बह्राइल फलस्वरुप २०५७ साल सावन २ गते जो बधुवाके रुपमे रहल कमैया प्रथाहे उन्मुलन कैना सन्दर्भमे तत्कालिन पूर्वप्रधानमन्त्री नेपाली काँग्रेसके सभापति शेरबहादुर देउवा निर्णय करके यी मुलुकके सक्कु कमैयाहुकनहे मुक्त घोषणा करलै मुख्यमन्त्री कहलै ।

यी मुलुकके लाग भारी उपलब्धी रहे । संगसंगे हमार लाग पहिचान ओ व्यवस्थापन कैना चुनौतीफे रहे । अब्बेफे उ आवाज उठैटी रहल बटी । यी अर्थमे अभिन कुछ कैना बाँकी बा । टबमारे संघ, प्रदेश ओ स्थानीय सरकार आब एकजुट हुके आघे बह्रना जरुरी रहल उहाँ बटैलै ।

अब्ब प्रदेश सरकार मुक्तकमैयाके घरके आघे खानेपानीके *(बाँकी ३ पेजमे)*

२ हजार ३ सय ७५ मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित

मुक्त कमैया रहल जिल्लामे अभिन २ हजार ३ सय ७५ जाने अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल बटैं । मुक्त कमैया समाजके तथ्याङ्क अनुसार कञ्चनपुरसे दाङ जिल्लामे ओटरा मुक्त कमैया अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल हुइट । २०५७ साल सावन २ गते कमैया मुक्ती घोषणा करल रहे । जौन अब्बे २५ बरस बिटल मने सुदूरपश्चिम प्रदेश अभिनसम अभिनसम १ हजार ८२ जाने मुक्तकमैयाहुक्रे परिचय पाके पुनर्स्थापनासे बञ्चित रहल मुक्तकमैया समाज जनैले बा ।

समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरीके अनुसार कैलाली जिल्लामे ९ हजार ७६२ मुक्तकमैया रहलमे ८ हजार ९७५ जनहनहे परिचयपत्र देहलमे मने जग्गा पाइल मुक्तकमैयाभर ८ हजार २२ जाने केल रहल बटैं । ओस्टेक कञ्चनपुरमे ४ हजार ५०६ जाने मुक्तकमैया रहलमे ४ हजार ४१८ जनहनहे परिचयपत्र डेहल बा, ओम्नेसे जग्गा पाइल मुक्तकमैया ४ हजार २८९ केल रहल बटैं । चार सय मुक्तकमैयाहे आकाशे कित्ता, १७३ जनहनके मुक्तकमैयाके तथ्याङ्कसे हटाइल बटैं । कलेसे कैलालीमे ९५३ ओ कञ्चनपुरमे १२९ जाने, दाङमे ४८ जाने पुर्स्थापना बाँकी बटैं । बर्दियामे सबसे ढेर १२ सय ४५ जाने मुक्तकमैया(बाँकी ३ पेजमे)

पैसा संकलन कैके तटबन्ध निर्माण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । कैलालीके भजनी नगरपालिका-४ झलझलियाके स्थानीय घरसे पैसा संकलन कैके लडियामे जैविक तटबन्ध बनैले बटै ।

लडिया कटान नियन्त्रणके लाग करल याचना कौनो फेन तहके सरकार नैसुनलपाछे उहाँहुक्रे घरौरा रकम संकलन कैके कान्द्रा लडियामे जैविक तटबन्ध बनाइल हुइट । उहाँहुक्रे बाँस, बोरा ओ झारपात प्रयोग कैके तटबन्ध बनैले बटै ।

स्थानीय, प्रदेश ओ संघ सरकारसे माग सुनुवाइ नैकरलपाछे प्रत्येक घरधुरीसे पैसा संकलन कैके तटबन्ध निर्माण करल झलझलियाके भलमनसा भरत चौलागाइँ बटैलै । बाँस खरिदके लाग प्रत्येक घरसे एक सयके दरसे रकम संकलन करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

चौलागाइँके अनुसार जैविक तटबन्ध निर्माणके लाग पाँच टोल विकास संस्थासे रकम लगानी करल बा । ओस्टके, गाउँभरके करिब चार सय जाने श्रमदान करले बटै ।

खेती बचाइक लाग तटबन्ध आवश्यक रहल स्थानीय पदम सुनार बटैलै । उहाँ लडियासे कैटी आइल क्षति रोकक् लाग गाउँवासी अपनहे जुर्मुराके तटबन्ध करटी रहल उल्लेख करलै ।

कैलालीमे भजनी सबसे ढेर विपतग्रस्त पालिका हो । यी पालिकाके स्थानीय बर्सेनि बारह्, डुबान, कटान समस्या झेल्टी आइल बटै । कान्द्रा लडियासे किल हरेक बरस ढेर क्षति कैना करल वडा अध्यक्ष जनताराम चौधरी बटेलै । उहाँ कहलै, "यी लडिया ढेर क्षति कैटी आइल बा । एकओर तटबन्ध करो, औरेओर जमिन कटान करे लागठ् । जहोर सोझरठ्, उहोंरे क्षति करठ् ।"

वडा अध्यक्ष चौधरी स्थानीय जैविक तटबन्ध बनाइक लाग हरेक घरधुरीसे पैसा उठाइलपाछे अपने फेन व्यक्तिगत रुपमे सहयोग करल बटैलै । उहाँ पाँच/दस लाख बजेटके तटबन्धसे समस्या समाधान नैहुइना कहटी कान्द्रा लडियाके कटान नियन्त्रणके लाग ढेर बजेटके आवश्यकता पर्ना बटैलै । "यम्ने संघ सरकारसे काम हुइ परल", उहाँ कहलै ।

जैविक तटबन्ध निर्माण कर कलाग जलस्रोत तथा सिँचाइ डिभिजन कार्यालयसे पाँच हजार बोरा सहयोग करल जनाइल बा । स्थानीय बोरामे बालु भरके कटान नियन्त्रणके लाग रख्ना काम करटी रहल बटै ।

बलात्कारके घटना बह्रल: ओरेक

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । महिला पुनर्स्थापना केन्द्र (ओरेक) सुदूरपश्चिम प्रदेशसे तीन महिनाके घटनाके तथ्याङ्क सार्वजनिक करटी बलात्कारके घटना बह्रल जनैले बा ।

अप्रिलसे जुन २०२५ समके घटनाके तथ्यांक सार्वजनिक करटी सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली जिल्लामे यौन दुर्व्यवहार ओ बलात्कारके घटना दैनिक रुपमे बह्रटी गैल तथ्य ओरेकसे दस्तावेजिकण करल तथ्यांकसे पुष्टि करले बा ।

अप्रिलसे जुन २०२५ समके अबधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली जिल्लासे लैङ्गिक विभेदमे आधारित हिंसाके कुल २२ ठो घटना अभिलेखिकरण करल ओरेक नेपालके प्रदेश संयोजक सपना थापा जनैली ।

ओम्नेसे यौन हिंसा ३६ प्रतिशत अर्थात ८ ठो घटना यौन हिंसाके रहल बा । जौन अन्तर्गत बलात्कार ६३ प्रतिशत (५ ठो), यौन दुर्व्यबहार २५ प्रतिशत (२ ठो) ओ बैबाहिक बलात्कार १२ प्रतिशत (१ ठो) घटना रहल उहाँ जनैली ।

यौन हिंसाके कुछ प्रतिनिधि मुलक घटनामे धनगढीके एक विद्यालयमे अध्ययनरत छात्रा अपने प्रशिक्षकसे बलात्कारमे परल घटना बहिरल बा । विद्यालयमे अध्ययनरत १३ वर्षीया बालिका उप्पर तेक्वान्दो खेलुइया प्रशिक्षकसे ललाई फकाई, धम्काई कबु होटलमे टे कबु खेल्न कार्यालयमे बार बार बलात्कार कैना ओ बलात्कार करल पश्चात सक्कु प्रमाणनष्ट कैना ओ लहाई लगैनासमेत कैगिल पागिल बा । बार बारके बलात्कारसे बालिकाहे अत्यधिक रक्तश्राव हुई लागलपाछे उ घटनाबारे अपन डाईहे बटैली । यी पाछे इलाका प्रहरी कार्यालयमे आरोपित प्रशिक्षकविरुद्ध जबरजस्ती करणीके किटानी जाहेरी दर्ता करल बा ।

आरोपित प्रशिक्षक भर फरार हुइल बटै । प्रशिक्षकके आफन्तसे प्रभावित बालिकाके परिवारहे तोर छाई ओस्टे कहटी मानसिक तनाब डेना ओ घरबेटीसे ओइने बैठटी आइल कोठा खाली कैना ओ टोलबासीसे समेतबस्ती छोरना दबाब डेहे लागल संयोजक थापा बटैली ।*(बाँकी ३ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

........सम्पादकीय

मुक्तकमैया तथा कम्लरीनके माग पुरा करी

कमैया मुक्ती घोषणाके २५ बरस पुगल मने अभिन ढेर मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित बटैं कलेसे मुक्तकम्लरीहुक्रेफे परिचयपत्र पैनासे वञ्चित बटैं । सरकार ओ उहाँहुकनविच हुइल सहमति सम्झौता अभिन पुरा नैहुइल हो । मुक्त कमैया ओ कम्लहरीके एकिन तथ्यांक संकलन करके परिचयपत्रके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । नेपाल सरकार ओ कम्लहरी प्रथा उन्मुलनके लाग संयुक्त सघर्ष समिति बीच हुइल १० बुंदे सम्झौता कार्यान्वियन करेपर्ना, नेपाल सरकारसे तयार करल मुक्त कम्लहरीके लाग शिक्षा निर्देशिका, २०६८ समयानुकुल परिमार्जन करके तत्काल कार्यान्वियन करेपर्ना, मुक्त कमलहरीके लाग वितरण कैना छात्रवृतिमे समयानुकुल परिमार्जन करके कार्यान्वियनके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

नेपाल सरकारसे गठन हुइना टमान आयोग, समिति तथा राज्यके हरेक संरचनामे मुक्त कमैया, कमलहरीहुकनके अर्थपूर्ण सहभागिता कराई पर्ना, नेपाल सरकारसे निर्माण करल पुनःस्थापनाके प्याकेज कार्यान्वियन करेबेर मुक्त कमैयाहुकनके सहभागिता ओ स्वामित्व हुइना करके परिमार्जन ओ कार्यान्वियन करेपर्ना माग करटी बटैं । हरेक मुक्त कमैया तथा कमलरीके लाग एक घर एक रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना । मुक्त कमैयाके छावाछाई ओ कमलहरीहुकनहे उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) सम ओ प्राविधिक शिक्षा निःशुल्क करके योग्यता अनुसार रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । मुक्त कम्लहरीके लाग निर्माण करल छात्राबास समय अनुकुल परिमार्जन करके मुक्त कमलहरीके लाग सीपमुलक तालिम ओ आर्थिक सहयोगके व्यवस्था करेपर्ना, नेपाल सरकारसे मुक्त घोषणा करल मुक्त कमैयाके बालबालिका, कमलहरीहुकनके लाग निशुल्क शिक्षाके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

मुक्तकमैया, कमलरी दुसर देशके नागरिक नैहुइट । संविधानमे हरेक जातजाति वर्ग समुदायके बराबर हकअधिकार रना कहल बा । अभिनसम ढेर मुक्तकमैयाहुक्रे पुनर्स्थापनासे वञ्चित बटैं कलेसे शिक्षा, स्वास्थ्यके पहुँचसेफे बञ्चित हुइल अवस्था बा । मुलुक बडलल, व्यवस्था बडलल मने ढेर मुक्तकमैयनके अवस्था नैबडलल, अभिन पुनर्स्थापनाके लाग सडक आन्दोलन कैना बाध्य बटैं । टबमारे एक फेराके लाग हुइलेसेफे पुनर्स्थापनासे वञ्चित रहल मुक्तकमैयाहुकनके न्यायिक पुनर्स्थापना कैना जरुरी बा ।

रोजगारीके पर्खाइमे मुक्त कमैया

कमैया मुक्ति घोषणा हुइल २५ वर्ष पुगल बा । २०५७ सावन २ गते सरकारसे कमैया मुक्तिके घोषणा करले रहे । मुक्ति घोषणा हुइल वर्ष जन्मल मुक्त कमैयाके छावाछाइ लक्का जवान हुइल बटैं, जिहिनहे ओइनके अभिभावक कैसिक जमिन्दारके सास्ती खेपल पटा नैहो । ओइने एकादेशके कथा जस्टे अपन अभिभावकके दुःखके कथा सुन्ठैं । दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली, कञ्चनपुर यी पाँच जिल्लामे ३२ हजार ५०९ परिवारमध्ये (क) ओ (ख) वर्गमे परल २७ हजार ५७० मुक्त कमैया परिवारके पहिचान करल बा ।

भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयके अनुसार दाङ, बाँके ओ कञ्चनपुरमे २७ हजार २१ मुक्त कमैया परिवारके पुनर्स्थापना कै सेकल बा । मन्त्रालयके अनुसार बर्दिया ओ कैलालीमे आब ५६९ परिवार किल पुनर्स्थापना हुइना बाँकी बटैं मने मुक्त कमैया समाजके पदाधिकारी मन्त्रालयके यी तथ्य नैस्वीकारठ । मुक्त कमैया समाज दाङके अध्यक्ष हरिशचन्द्र चौधरीके अनुसार (ग) ओ (घ) वर्गमे परल मुक्त कमैया अभिन फेन पुनर्स्थापना हुइना बाँकी रहल तथा १० हजार ढेर मुक्त कमैया लगत लेनासे छुटल बटैं ।

हुइना टे आगामी आव २०८२/८३ के लाग सुदूरपश्चिम सरकार छ करोड २० लाख तथा लुम्बिनी प्रदेश सरकारसे एक करोड रुपियाँ बजेट मुक्त कमैया, कमलरी पुनर्स्थापनाके लाग विनियोजन करल बा । यिहिनसे मुक्त कमैया, कमलरी परिवारके पुनर्स्थापनाके काम बाँकी रहल डेखाइठ । हुइना टे यी शीर्षकके बजेटमे मुक्त कमैया, कमलरीके अलावा सीमान्तकृत, भूमिहीन विपन्न घर परिवारहे आर्य आर्जन तथा लक्षित कार्यक्रमके लाग कलेसे फेन जोरल बा ।

पुनर्स्थापनाके गलपासो

टमान जैसिन मुक्त कमैयाके बस्ती नदी किनारमे होके बर्सेनि बाढसे सटैना ओ पुनर्स्थापनाके विषय समस्याके रूपमे देखा परठ । मुक्त कमैयाके पुनर्स्थापना नैहुइनाके मूल कारणमध्ये बिनागृहकार्य हतारमे मुक्तिके घोषणा करल कना आरोप टमानजे लगैटि आइल बटैं । सरकारउप्पर राष्ट्रिय, अन्तर्राष्ट्रिय गैसस, मानव अधिकारवादीके दबाबके कारण कमैया मुक्त घोषणा करना बाध्य हुइल हो ।

२०५७ सावन २ मे करल मुक्तिके ५ वर्षपहिले २०५२ मे कमैया परिवारके लगत सरकार लेले रहे । उ तथ्यांकमे १५ हजार १५२ कमैया परिवार रहल तथ्य आइल रहे । ओहे आधारमे मुक्तिपाछे लगत लेहलमे १८ हजार २९१ परिवारके पहिचान हुइल मने पहिचानके समस्या अत्रा बह्रल कि उ संख्या एकाएक १० औं हजारउप्पर बह्रके २७ हजार ५७० घर परिवारमे पुगल ।

सरकारसे मुक्त कमैयाहे चार भागमे वर्गीकरण कैके पुनर्स्थापना करटि आइल बा । २०६३ सावन २२ मे बैठल मन्त्रीपरिषद्के बैठकके निर्णय अनुसार सरकार (क) ओ (ख) वर्गमे परल मुक्त कमैयाहे हाल उहाँहुक्रे बैठल स्थानके आधारमे बजार लग्गे रलेसे प्रतिपरिवार दुई कट्ठा तथा गाउँमे रलेसे पाँच कट्ठा जमिन डेना कहल रहे । पाछे सहरी क्षेत्रमे एक कट्ठामे सीमित करल रहे । घर निर्माणके लाग ५५ हजार तथा काठके लाग एक लाख रुपियाँ नगद उपलब्ध करैटि आइल बा । पहिले घर निर्माणके लाग १० हजार किल तथा ३५ क्युबिक फिट काठ उपलब्ध करैटि आइल रहे । आब काठ नैपाइल ओरसे ओकर सट्टा फेन नगद डेना सुरु करल बा मने (ग) ओ (घ) वर्गमे परल पाँच हजार परिवार अभिन यी सुविधा पाइ नैसेकल अभिन १० हजार ढेर मुक्त कमैया लगत लेनासे छुटल प्रसंग आइल बा ।

कुछ ठाउँमे मुक्त कमैया वन क्षेत्र फेन ओगटले बटैं, टबेमारे उहाँहुकनहे जग्गा डेना वन मन्त्रालय सकारात्मक नैहो । जबकि तत्कालीन भूमि सुधार तथा वन मन्त्रालयबिच कार्ययोजनासहित वन क्षेत्रमे परना मने जंगल नैरहल प्रयोगविहीन जग्गा मुक्त कमैयाहे डेना सहमति हुइल रहे । ओहे अनुरूप २०६७ असार मसान्तभित्रे सब मुक्त कमैया परिवारहे जग्गा डेसेक्ना कलेसे फेन उ निर्णयके डेढ दशक पार होके २५ औं मुक्त कमैया दिवसके बेलासम फेन कार्यान्वयन हुइ सेकल अवस्था नैहो ।

अप्ने कमैया बैठल जमिन्दारके गाउँके सेरोफेरोमे घर बनैना टमान मुक्त कमैया मन बनैलैं, एक भाइ ओहे ऐलानीमे बैठल । टबेमारे, ओइनहे छुट्याइल जग्गामे औरे भाइ घर बनैलेसे फेन कुछ खाली अवस्थामे रहल । कारण उ फेन अपन खेलल हुरकल औरे गाउँमे जाइ नैरुचाइल । औरे नयाँ ठाउँमे बैठ्लेसे फेन मजदुरी नैपाइल, पुराने ठाउँमे कामके मेलो बैठल । गैल वर्ष यी पंक्तिकार बर्दियाके बारबर्दिया नगरपालिकालगायत कुछ क्षेत्रमे घुमेबेर मुक्त कमैया शिविरके कुछ घर बन्द अवस्थामे देख्ले रहे । घर बन्द हुइनाके कारण पुछेबेर ओइनके औरे ठाउँमे फेन घर रहल स्थानीयवासी जानकारी डेले रहैं । अइसिके पुनर्स्थापना नैहुइल दाबी करनाके सवालमे गहन शोधखोजके अत्यावश्यकता डेखाइठ । यिहिनहे लम्मा समयसम बल्फाइ नैपरल ।

मुक्त कमलरीके परिचयपत्रके लडाइँ

सरकार २०५७ सावन २ गते नेपालमे कमैया मुक्ति घोषणा करले रहे । पाछे जमिन्दार खेती अधियामे लगैलैं । अधिया लगैना प्रायः मुक्त कमैया रहैं मने जमिन्दार मुक्त कमैयाके छाइ कमलरी पठैलेसे किल अधिया डेना सर्त ढरलैं । अइसिके कमैया अप्ने टे मुक्त हुइलैं मने नाबालक छाइ मुक्त हुइ नैसेक्लिन् । जमिन्दारके घरमे जुठा भाँडा ढोइ लग्लिन् । कुछ जमिन्दारके यौन शोषण सहे नैसेक्के आत्महत्या करल समाचारसमेत आइल । अइसिके कमलरी फेन आन्दोलित हुइलैं । कमैया मुक्तिके १३ वर्षपाछे २०७० असार १३ गते बल्ल कमलरी मुक्त घोषणा करगिल ।

✍ **कृष्णराज सर्वहारी**

कमलरी मुक्त हुइलेसे फेन १३ वर्ष पुगल बा मने मुक्त कमलरीके वास्तविक तथ्यांक शिक्षा मन्त्रालय ओ भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयसँग नैहो । महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालयके अनुसार भर मुक्त कमलरीके संख्या नौ हजार चार सय बा । ओहोर शिक्षा मन्त्रालय मुक्त कमलरीहे छात्रवृत्ति उपलब्ध करैटि आइलमे असहाय छाइके साथी (एफएनसी) संस्थाके तथ्यांकहे आधिकारिक मन्टि आइल बा । ओहे तथ्यांकहे 'अपडेट' करटि करल बा मुक्त कमलरी विकास मञ्च । मञ्चके केन्द्रीय अध्यक्ष हीरामोती चौधरीके अनुसार पाछेक तथ्यांक अनुसार १२ हजार ७६९ मुक्त कमलरी रहल बटैं । तत्कालीन भूमि सुधार तथा व्यवस्था मन्त्री गोपाल दहित २०७४ भदौके पहिल साता दाङके आठ कमलरीहे पहिलचो परिचयपत्र बाँट्ले रहैं । परिचयपत्र वितरण शुभारम्भ कार्यक्रममे उहाँ चार महिनाभित्रे सब कमलरीहे परिचयपत्र वितरण कैसेक्ना जानकारी डेले रहैं मने हालसम पहिचान हुइल चार हजार ९३४ जाने किल सरकारी परिचयपत्र पैले बटैं ।

तत्कालीन मन्त्री दहित परिचयपत्रमार्फत छात्रवृत्ति, रोजगारी ओ विकासके तालिममे सहभागी हुइना अवसर पैना बटैले रहैं । ओहोर, परिचयपत्र पाइल मुक्त कमलरी अपनसँग रहल परिचयपत्र कागहे बेल पाकल हर्ष न विस्मात् जस्टे रहल बटैठैं । काहेकि परिचयपत्रसँगे कौनो सेवासुविधा पहिचान करल नैहो । खासमे यीबारे कौनो विधेयक, ऐन बने नैसेकल ।

ओस्टे अवस्था रहल हलिया, हरुवा चरुवाके तुलनामे मुक्त कमैया/कमलरीके पुनर्स्थापना टमान हदसम हुइल माने परि । आब उहाँहुकनके आर्थिक अवस्था उकस्ना कार्यक्रम नाने परल । हाल संघीय सरकारसे उहाहुकनके आर्थिक अवस्था उकासेक लाग प्राथमिकता डेले नैहो । ओहोर, लुम्बिनी ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशमे रहल यी समस्या समाधानके लाग प्रदेश सरकार, स्थानीय सरकार फेन खास प्राथमिकता डेले नैहो । अस्टेक हरेक मुक्ति दिवसमे मुक्त कमैया अभियन्ता पुनर्स्थापनाके रोनाधोना करठैं ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

> कमलरी मुक्त हुइलेसे फेन १३ वर्ष पुगल बा मने मुक्त कमलरीके वास्तविक तथ्यांक शिक्षा मन्त्रालय ओ भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयसँग नैहो । महिला, बालबालिका तथा समाज कल्याण मन्त्रालयके अनुसार भर मुक्त कमलरीके संख्या नौ हजार चार सय बा । ओहोर शिक्षा मन्त्रालय मुक्त कमलरीहे छात्रवृत्ति उपलब्ध करैटि आइलमे असहाय छाइके साथी (एफएनसी) संस्थाके तथ्यांकहे आधिकारिक मन्टि आइल बा । ओहे तथ्यांकहे 'अपडेट' करटि करल बा मुक्त कमलरी विकास मञ्च । मञ्चके केन्द्रीय अध्यक्ष हीरामोती चौधरीके अनुसार पाछेक तथ्यांक अनुसार १२ हजार ७६६ मुक्त कमलरी रहल बटैं । तत्कालीन भूमि सुधार तथा व्यवस्था मन्त्री गोपाल दहित २०७४ भदौके पहिल साता दाङके आठ कमलरीहे पहिलचो परिचयपत्र बाँट्ले रहैं । परिचयपत्र वितरण शुभारम्भ कार्यक्रममे उहाँ चार महिनाभित्रे सब कमलरीहे परिचयपत्र वितरण कैसेक्ना जानकारी डेले रहैं मने हालसम पहिचान हुइल चार हजार ६३४ जाने किल सरकारी परिचयपत्र पैले बटैं । तत्कालीन मन्त्री दहित परिचयपत्रमार्फत छात्रवृत्ति, रोजगारी ओ विकासके तालिममे सहभागी हुइना अवसर पैना बटैले रहैं । ओहोर, परिचयपत्र पाइल मुक्त कमलरी अपनसँग रहल परिचयपत्र कागहे बेल पाकल हर्ष न विस्मात् जस्टे रहल बटैठैं । काहेकि परिचयपत्रसँगे कौनो सेवासुविधा पहिचान करल नैहो । खासमे यीबारे कौनो विधेयक, ऐन बने नैसेकल ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ कित्ता नं. ७५१ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री प्रेमबहादुर साउँदले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः दशीराम चौधरी — पश्चिमः जनाकुमारी विष्ट
उत्तरः दशीराम चौधरी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगगे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

साहित्यिक फूलरिया

गजल

✍ बिष्णु कुसुम

जुन दिन म्वार ज्यान लास हुईने बा।
उहो दिन टुहार लाग खास हुईने बा॥

रूवाबास चली महि हिरन फे देबो।
जर्जिम बेन बयान्के बाँस हुईने बा॥

मनम सजाख ढर्लक म्वार मैयाँ उ।
भुलैबो रस२ दिलमसे नास हुईने बा॥

एक २ दिन खैना बोल्नास नि लागि।
पाछ मजा मिठ मैगर गाँस हुईने बा॥

याद कर्बो महि कत्रा मैयाँ कर कैख।
दुनियाँक आघ उ पर्दाफास हुईने बा॥

दाङ, घोराही

गजल

✍ नरेश कुशुम्या अर्पण

यि स्वार्थी दुनियामा स्वार्थी शहर देख्नु मै।
किहिनो सपर्ना किहिनो मेटैना जहर देख्नु मै।

बन्सीमा केच्ना गुँठके, मछरी फसईना चलन
आजकाल त यि दुनियाक काजे रहर देख्नु मै।

सबसे पहिले आपन, बनाउ तव साँचो
देखा जाई औरक कहुय्यनके ठहर देख्नु मै।

मन्लो त दिँउटा नई मन्लो त उह पत्थर
जसिन कहानी मैय्याके प्रहर देख्नु मै।

बनाके जिन्गी उजड्नामा का फल मिलथ ?
तभु यँहा धोका देनाके लहर देख्नु मै।

बर्दिया, नेपाल

मुक्तक

✍ रामचरण अजराइल

आज मै टोहर जवानीहे जुवाइल डेख्नु।
सोला बरसके जवानी सुवाइल डेख्नु॥

मैटे सोचे लग्ले रहु कि टुहिन अप्ना लिउ
मने टोहर जवानी जरके भुवाइल डेख्नु॥

मुक्तक

✍ ऋषमान चौधरी

जाउ नि छेकम दिल तुताख जाउ
हुकहिन् से सम्बन्ध जुराख जाउ

सद्द खुसी रहो मैफे खुसी बातु
जाली यी संसारम महि भुलाख जाउ

बलात्कारके...

यहोर विद्यालयसे भर प्रेस विज्ञप्ति जारी करटी विद्यालयके हाताभिटर तेक्वान्दो प्रशिक्षण करटी आइलेसेफे आरोपित शिक्षक वा प्रशिक्षक अपन विद्यालयके नैरहल स्पष्टीकरण डेटी विद्यालयके बदनाम करल कहटी संचारमाध्यमहे आरोप लगैटी रहल बटै ।

ओस्टेक करके कैलालीके १३ वर्षिय बालिका २०८२ असार ७ गते दुपहर घर लग्गेक बनुवामे छेगरी चराई गैल क्रममे अपने छिमेकके एक जाने २३ बर्षिय पुरुषसे ऐक्केली रहल मौका छोपके मुह थुनके चिल्लाई नैडेके जबरजस्ती बलात्कार करके भागल बटै । बालिकाके डाईबाबाफे रोजगारीके सिलसिलामे घर बाहेर गैल ओरसे कुहीहे कहे नैसेकल रहिट । यौनिसे रगत बहटी रहे, उहाँहि गाह्रो हुई लागलपाछे संघरीयाहे घटना ओ अपन समस्या सुनैली । संघरीया असार ११ गते बालिकाके बुडीहे घटनाबारे सक्कु बाट बटैली । बुडी बालिकाके डाईबाबाहे जानकारी कराइलपाछे डाईबाबा गाउँक बुद्धिजिवी, भल्मन्साके सहयोगमे इलाका प्रहरी कार्यालयमे जाके उजुरी डेलै । इलाका प्रहरी कार्यालयसे उहे दिन पीडकहे पकरके जिल्ला प्रहरी कार्यालय पुगाइल रहे । ओरेक ओ ओसिएमसिके सहयोगमे ०८२ असार १२ गते मुद्दा दर्ता हुइल रहे ।

यी दुनु घटना अत्यन्तजघन्य प्रकृतिकेहुइट । विद्यालय जौन विद्यार्थीके लाग सबसे सुरक्षित थलो हुई पर्ना हो, उहे ठाउँ असुरक्षित बनल बा । विशेषगरी बालिकाके लाग यी अवस्था आउर चिन्ताजनक रहल ओ प्रशिक्षक जैसिन जिम्मेवार व्यक्तिसे विद्यालय परिसरमे यौन दुर्ब्यबहार ओ कार्यालयमे बलात्कार हुईबेरसमेत बिद्यालय प्रशासनसे प्रशिक्षक अपन अनुमतिमे नैरहल कहटी प्रेस बिज्ञप्ति निकरटी स्पष्टीकरण डेना ओर लग्ना, बैठटी रहल कोठा ओ बस्तीसे निकरना दबाब डेना अत्यन्तक्रुर ओ गम्भीर विषय रहल संयोजक थापा बटैली ।

अप्रिलसे जुन,२०२५समके अवधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशके कैलाली जिल्लामे केल्ह यौनहिंसाके घटना कुल लैङ्गिक हिंसाके ३६ प्रतिशतमे हुइल तथ्यांकसे बालिकार महिलाउप्पर हुइना हिंसाके अवस्था गम्भीर रहल स्पष्ट करठ । बालिकाउप्पर विद्यालय, घर, जंगलजैसिन सार्वजनिक स्थानमे यौन हिंसा हुइना कहल समाजके सुरक्षा संरचना, शिक्षा प्रणाली, कानुनी संयन्त्र ओ राज्यके नीति सक्कु तहमे कमजोर ओ उदासिनता रहल पुष्टि हुइठ ।

२५औं कमैया...

नल्का नैहो कलेसे सहयोग कैना तयार रहल बटैलै । मुक्तकमैयामे पीडा प्रदेश सरकारके पीडा हो कहटी सक्कु जाने मिल्के सम्बोधन कैना जरुरी बा । समाधान खोज्न जरुरी बा कहे चाहटु मुख्यमन्त्री शाह कहलै ।

कार्यक्रममे प्रदेश सरकारके व्यवस्था तथा कृषि सहकारी मन्त्री विरबहादुर थापा मुक्तकमैया हलियाके समस्या समाधन करेक लाग प्रदेश सरकार तयार रहल बटैलै । उहाँ कहलै, 'पुनर्स्थापना हुइना बाँकी मुक्त कमैयाहुकनहे जग्गा खोजके डेना सम्भव टे नैरहल मने जे जहाँ बैठल बा, ओइनहे सुकुम्बासीके रुपमे उहे ठाउँक जग्गा धनी प्रमाणपत्र उपलब्ध कैना विकल्प बा ।

सामाजिक विकास मन्त्री मेघराज खडका प्रदेश सरकारसे मुक्तकमैया, हलिया, कमलरीहुकनके लाग टमान मेरिक आयआर्जनके लाग कार्यक्रम संचालन करल बटैलै ।

प्रदेश नीति तथा योजना आयोगके उपाध्यक्ष डा. जीवन राना बधुवा मजदुरके रुपमे मुक्तकमैयाहुकनहे मुक्ती घोषणा कैना सबसे भारी उपलब्धी रहल बटैली । उहाँ कहली, मुक्ती घोषणापाछे पुनर्स्थापना कैना कहल रहे । मने अभिनफे ढेर मुक्तकमैया, हलिया पुनर्स्थापनासे बञ्चित बटै । कागजमे मुक्ती घोषणा नाही न्यायिक पुनर्स्थापना कैके समस्या समाधान कैना जरुरी बा ।

नेकपा एमालेके जिल्ला अध्यक्ष यज्ञराज ढुङगना मुक्तकमैया थारु समुदायके रहल ओरसे उहाँहुकनके मुलुकमे विकासमे भारी योगदान रहल रहल बटैलै । थारु समुदायके कृषि पेशामे लागल ओर अन्नादाताके रुपमे रहलफे उहाँ बटैलै

मुक्तकमैया अभियन्ता यज्ञराज चौधरी कहलै, 'कमैया मुक्ती घोषणापाछे कुछ नैहुइल हो कना नैहो । ढेर मुक्तकमैया पुनर्स्थापना हुइल बटै । जग्गाफे पैले बा । ९० प्रतिशत समस्या समाधन हुइल बा । बाँकी रहल १० प्रतिशत करिब करिब कहु ना कहु बैठल बटै । जहाँ बैठल बटै उहे ठाउँक लालपूर्जा उपलब्ध करैलेसे ढेर समस्या समधान हुई । कार्यक्रम मुक्तकमैया महिला विकास मञ्चक अध्यक्ष सीमा चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल रहे । ओस्टेक करके कैलालीके लम्कीचुहामेफे २५औं कमैया मुक्ती दिवस मनागिल बा ।

> "लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

२ हजार ३ सय...

पुनर्स्थापनासे वञ्चित केन्द्रीय अध्यक्ष बटैलै । मुक्तकमैया अभियन्ता बल्लु चौधरी पुनर्स्थापनाके नाउँमे जग्गा नैरहल ठाउँक लालपुर्जा, व्यक्तिके नम्बरी जग्गाके लालपुर्जा, लडिया, खोला रहल ठाउँमे टमान मुक्तकमैयाहुकन जग्गा डेगिल बटैलै ।

कैलाली, कञ्चनपुर, बर्दिया, बाँके ओ दाङ करके पाँच जिल्लामे कुल ३२ हजार ५ सय ९ जाने मुक्तकमैयाके तथ्याङक संकलन करल रहे । जेम्ने जग्गा पाई पर्ना संख्या २७ हजार ५ सय ७० कहलमे जग्गा पाइल संख्या २५ हजार १ सय ९५ केल्ह रहल उहाँ जनैलै ।

ओसिन समस्या सट्टा भर्ना कैना संख्या ६ सय ६१ रहल बा । परिचय बदर हुइल संख्या १७३, जग्गा नइपाइल ४६३, परिचयपत्रसे वञ्चित १ हजार ७८ जाने करके कुल २ हजार ३ सय ७५ जाने पुनर्स्थापना हुइना बाँकी बटै । ओस्टेक करके पाँच जिल्लामे मुक्तकमलरीके संख्या १२ हजार ७६९ जाने रहलमे ४ हजार ९३४ जाने परिचयपत्र पैले बटै कलेसे अभिनसम ७ हजार ८ सय ३५ जाने परिचयपत्र पैनासे बञ्चित रहल बटै । छुट मुक्तकमलरी ३ हजार २९६ ओ अध्ययनरत रहल १२ सय ७४ जाने रहल बटै ।

साप्ताहिक बाल स्तम्भ

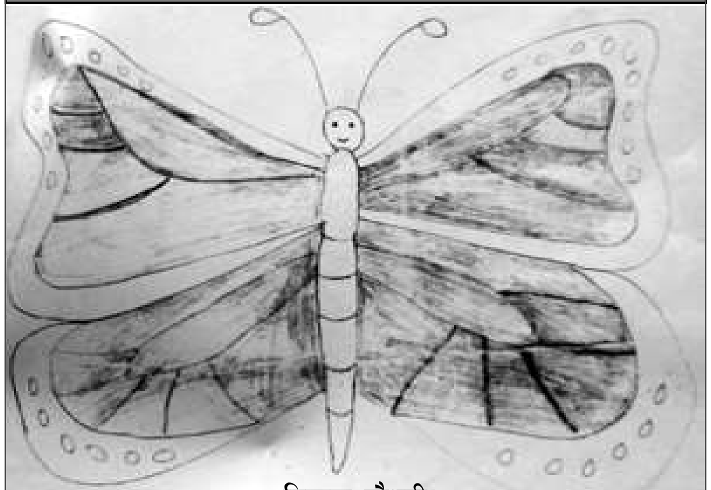

विद्याता चौधरी
ग्यालेक्सी माध्यमिक विद्यालय, धनगढी, कैलाली

विविशा चौधरी
ग्यालेक्सी माध्यमिक विद्यालय
धनगढी, कैलाली

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिममे बर्सेनि बढ्टी सवारी दुर्घटना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे विगत बरसके तुलनामे यी आर्थिक बरसमे सवारी दुर्घटना बह्रल बा । प्रदेशमे सडक बिस्तारसँगे सवारी चाप फेन बह्रे लागलपाछे दुर्घटना बढ्टी गैल हो ।

नेपाल प्रहरी राजमार्ग सुरक्षा तथा ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालय कैलाली अत्तरियाके तथ्यांक अनुसार बितेका दुई आर्थिक बरसके तुलनामे आर्थिक बरस २०८१/८२ मे सवारी दुर्घटनाके अवस्था बह्रल डेखगैल बा । प्रदेशके ९ जिल्लामध्ये तराई क्षेत्रके दुई जिल्ला कैलाली ओ कञ्चनपुरमे सवारी साधनके चाप ढेर हुइल कारण फेन यी दुई जिल्लामे दुर्घटना बर्सेनि बढ्टी गैल बा ।

प्रदेशके ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालयके अनुसार आव २०७९/८० मे २५२ सवारी साधन दुर्घटना हुइल रहे कलेसे २०८०/८१ मे बह्रके ३०९ पुगल बा । आर्थिक बरस २०८१/८२ मे बह्रके १ हजार १५३ पुगल बा । ओस्टके टमान प्रकारके सवारी साधन दुर्घटनामे परके बर्सेनि मृत्यु हुइना ओ घाहिल हुउइयाके संख्या फेन बढ्टी रहल तथ्यांकमे उल्लेख बा । दुर्घटना बह्रलसँगे सवारी दुर्घटनामे परके ज्यान गुमुइया ओ घाहिल हुउइयाके संख्या फेन बढ्टी गैल बा । सुदूरपश्चिमके ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालयके तथ्यांकमा उल्लेख हुइल अनुसार आव २०७९/८० मे हुइल सवारी दुर्घटनामे परके १७७ जनहनके मृत्यु ४७३ जाने घाहिल हुइल रहिट कलेसे आव २०८०/८१ मे १७२ जनहनके मृत्यु तथा ५३६ घाहिल हुइल रहिट । यी आर्थिक बरस आघेक दुई आर्थिक बरसके तुलनामे १८५ जनहनके मृत्यु हुइल बा कलेसे १ हजार ९३६ जाने घाहिल हुइल बटै ।

'विगतके बरसके तुलनामे हालके बरसके मोटरसाइकल लगायतके दुईपांग्रे सवारी साधन ढेर दुर्घटना हुइ लागल बा,' प्रदेश ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालयके डिएसपी टेकबहादुर जोरा कहलै, 'दुर्घटनामे परके मृत्यु ओ घाहिल हुउइया फेन मोटरसाइकल लगायतके दुईपांग्रे सवारी साधन प्रयोग करुइया ढेर रहल बटै ।' ओहकान अनुसार सुदूरपश्चिमके ७ पहाडी जिल्लाके तुलनामे दुर्घटनामे परके ज्यान गुमुइया ओ घाहिल हुउइयामे प्रदेशके दुई तराई जिल्ला कैलाली ओ कञ्चनपुरके ढेर रहल बटै । पहिले पहाडी जिल्लामे बस, मिनिबस ओ ट्रक दुर्घटना ढेर हुइबर मानवीय क्षति ढेर हुइना करलमे हालके बरसमे तुलनात्मक रूपमे बरवार चारपांग्रे सवारी दुर्घटनामे कमी आइल बा । मदिरा तथा लागूऔषध सेवन कैके ओभर स्पीडमे ओ ट्राफिक नियमके अवज्ञा कैके जथाभावी मोटरसाइकल लगायतके दुईपांग्रे सवारी चलुइया युवाहुक्रनसे ढेर दुर्घटना हुइना करल प्रहरी रेकर्डमे उल्लेख हुइल डेखजाइठ् ।

हालके बरसमे पहाडी रुटमे चल्ना करिया प्लेटके बस ओ ट्रक लगायतके बरवार सवारी साधन दुर्घटनामे कमी आइल प्रहरी रेकर्डमे डेखजाइठ् । मने मोटरसाइकल, स्कुटी तथा जिप कार लगायतके दुईपांग्रे ओ चार पांग्रे छोट सवारी साधनके दुर्घटना बढ्टी गैल अवस्था ट्राफिक प्रहरीके लाग चुनौतीके विषय बन्टी गैल बा । 'इहे वास्तविकता बुझके स्कुल लेभलसे जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करटी रहल बटी,' डिएसपी जोरा कहलै, 'स्कुल सम्पर्क कार्यक्रमसे तीव्र गतिहे निरुत्साहित कैना लिडार स्पीड गनके समेत प्रयोग हुइटी रहल बा ।'

'तराईके चौडा सडकमे मोटरसाइकल आपसमे टकराके दुर्घटना हुइ लागल बा,' पूर्वपश्चिम राजमार्ग अन्तरगत कञ्चनपुरके दैजीनजिक भर्खरे हुइल दुर्घटनाहे उल्लेख कैटी डिएसपी जोरा कहलै, 'चालकके लापरबाहीके यी चरम सीमा हो, रातके समयमे लागु पदार्थ सेवनसे हुइना अइसीन खाले दुर्घटना नियन्त्रण कैना प्रहरीके लाग चुनौतीपूर्ण रहल बा ।'

सवारी कारबाही फेन नियमित हुइटी रहल बा । यी आवमे सवारी कारबाहीसे सुदूरपश्चिम प्रदेशमे ४ करोड २५ लाख ४० हजार राजश्व संकलन हुइल बा । अत्तरियास्थित प्रदेश ट्राफिक व्यवस्थापन कार्यालयके अनुसार दुर्घटना न्यूनीरणाके लाग राजमार्गमे छाडा चौपाया व्यवस्थापन, लागु औषध सेवन परीक्षण, लिडार गनके जाँच बिस्तार ओ जनचेतनामूलक कार्यक्रमहे प्रभावकारी बनैटी लैजैना जरुरी रहल व्यवस्थापन कार्यालयके अधिकारी बटैठै ।

जातीय पोशाकसे आम्दानी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । वनस्पति अनुसन्धान केन्द्र कैलालीअन्तर्गत रहल देवहरिया वनस्पति उद्यानमे अउइया आन्तरिक तथा बाह्रय पर्यटकके संख्या पाछेक समय बढ्टी गैल बा । प्राकृतिक हराभरा, तालतलैया, टमान प्रजातिके जडीबुटीके उत्पादनलगायत मनोरमणीय दृष्टिकोणासे उक्त उद्यान प्रख्यात मानजाइठ् ।

उद्यानमे घुमघाम, रमाइलोके लाग दिनहुँ ढेर संख्यामे पर्यटक अइना करठै । प्राय: यहाँका टमान जातीय पहिचान झल्कना पोशाक लगाके तस्वीर लेहुइया पर्यटकके रोजाइमे पर्ना करठ् । उद्यानमे उहे पोशाक लगाके फोटो खिचुइया पर्यटकसे लेना शुल्कसे स्थानीय रञ्जिता चौधरी आम्दानी कैटी आइल बटी ।

चौधरीके पसलमे राना थारु, डगौँरा थारु, नेवारी, ठकुरी, क्षेत्री, मगर, शेर्पा, तामाङलगायत करिब ३० जातिके टमान संस्कृति झल्कला पोशाक फोटो खिचाइक लाग उपलब्ध बावै । वनस्पति उद्यानमे फोटो खिचाइल उहाँ प्रति घण्टाके रु १०० शुल्क लेना करल बटी ।

एक घण्टाके रु १०० ओ समय थपसँगे शुल्क फेन थप लेना करल बटु", उहाँ कहली, "उहीसे महिनाके सक्कु खर्च कटाके रु ३० हजार जत्रा बचत हुइना करल बा, सरकारी बिदा अर्थात् टरटिहारके बेला आउर ढेर कमाइ हुइना करठ् ।"

उहाँहि जातीय पोशाक सिलैनामे रु चार लाख जटरा लगानी लागल बा । एक जोर पोशाक सिलैना रु पाँच हजार जटरा खर्च हुइना करल उहाँके कहाइ रहल बा । परिवारमे ससुइया, ससुरवा, गोसिया ओ छावाछाइ सहित छ जाने रहल बटै । छावाछाइक शिक्षाके साथे परिवारके सक्कु खर्च उहे व्यवसायसे चलैटी आइल उहाँ बटैली ।

विगतमे आर्थिक अवस्था कमजोर रहल चौधरी अब्बे यी व्यवसाय सुरु करल पाछे जीवनस्तरसमेत सुढरल बटैली । धनगढीके देवरियास्थित वनस्पति उद्यानमे हाल आन्तरिकके साथे बाह्रय पर्यटकसमेत अइना करल बटै ।

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

डेंगीबाट बचौं र बचाऔं ।

लक्षण:
- उच्च ज्वरो आउनु,
- जोर्नी र मांशपेशीहरुमा असह्य पीडा हुनु,
- आँखाको गेडी दुख्नु,
- अत्याधिक टाउको दुख्नु,
- शरीरमा राता बिबिराहरु आउनु,
- वाकवाकी लाग्नु वा वान्ता हुनु ।

लामखुट्टेको टोकाईबाट डेंगी लाग्न सक्दछ, त्यसैले:
- लामखुट्टेबाट बच्न पूरै शरिर ढाक्ने लुगा लगाऔं,
- घर, कार्यस्थल र सार्वजनिक स्थानमा पानी जम्न नदिऔं,
- लामखुट्टेको टोकाईबाट बच्ने मलम लगाऔं,
- घरभित्र लामखुट्टे छिर्न नसक्ने गरी झ्याल-ढोकामा जाली लगाऔं,
- सुत्ने बेलामा झुल लगाएर सुतौं,
- एयर कुलर, पानी ट्यांकी, गमलामा राखिएका प्लेटहरु समयसमयमा सफा गरौं ।

"डेंगीको उपचार भन्दा रोकथाम नै सजिलो उपाय हो"

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

30 Seats Only

Entry Requirement
- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities
- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career
- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE
GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI
091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

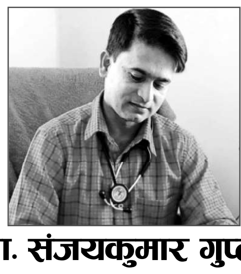

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्नियाा, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९